Shree Ram Sharnam,
International Spiritual Centre
8A, Ring Road, Lajpat Nagar - IV,
New Delhi - 110 024, INDIA

हे दयामय दीनबन्धु

हे दयामय दीनबन्धु, दीन को अपनाईये ।
डूबता बेड़ा मेरा, मझधार पार लँघाइये ॥

नाथ तुम तो पतितपावन, मैं पतित सबसे बड़ा ।
कीजिये पावन मुझे, मैं शरण में हूँ आ पड़ा ॥
हे दयामय दीनबन्धु...

तुम गरीबनवाज हो, ये जग सारा कह रहा ।
मैं गरीब अनाथ हूँ, नित दु:खप्रवाह में बह रहा ॥
हे दयामय दीनबन्धु...

इस गरीबी से छुड़ाकर, कीजिये मुझको सनाथ ।
तुमको पाकर नाथ मैं, फिर क्यूँ कहाऊँ मैं अनाथ ॥
हे दयामय दीनबन्धु...

अब नहीं ऐसा उचित, प्रभु कृपा मुझपर कीजिये ।
पापका बन्धन छुड़ा नित-शांति मुझको दीजिये ॥
हे दयामय दीनबन्धु....